भारत में 1.22 करोड़ से अधिक पाठक (IRS 2017)

PUNJAB KESARI JALANDHAR

# पंजाब केसरी

## विज्ञान भवन,नई दिल्ली में दो दिवसीय आयुषकॉन-2023 कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक सम्पन्न

### पद्मश्री प्रो. ख़ादर वली के साथ कई जाने माने दिग्गजों को आयुषकॉन एक्सलेन्स अवार्ड -2023 से किया गया सम्मानित

नई दिल्ली: विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयुष्मान इंडिया आयुषकॉन-2023 का भव्य आयोजन किया गया, जिसका थीम था-'विरेचन: पुनः नवी रिजुविनेशन'। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में हरियाणा के राज्यपाल महामहिम श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे जी, बिहार प्रशासक के मंत्री विजय प्रभुष श्री अजित ठाकुर जी, आयोग चेयरी के राष्ट्रीय संचालक श्री आलोक चामरिया जी, समाजसेवी श्री दीपक ठाकुर जी उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन भाषण में आयुष्मान के संयोजक डॉ.विनित कुमार जी ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों को सादर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में महामहिम श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, केन्द्रीय मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी, श्री अजित ठाकुर जी, श्री आलोक चामरिया जी तथा श्री दीपक ठाकुर जी का स्वागत किया और आयुषकॉन-2023 के इस आयोजन में उनकी उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ.विनित कुमार जी ने अपने उद्घाटन भाषण में सबसे पहले आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने मोटे अनाज को एक विशिष्ट नाम 'श्री अन्न' बताकर इस सबका मान बढ़ाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को साधुवाद देते हुए कहा कि ये एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय बनाया और इस नाम को अंतर्राष्ट्रीय विरेचन नाम घोषित कराया। उन्होंने कहा कि 2022-23 विरेचन वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। ज्वार,बाजरा,रागी का आयुर्वेद में बेहद महत्व रहा है। भारत के कृषि समाज का ये आधार रहा है। विरेचन वर्ष मनाने से समाज में, विशेषकर सहारी समाज में इन खाद्यानों का महत्व बढ़ा है,इसके लिए सरकार के प्रयास बेहद सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि आज आयुष का महत्व बढ़ा है। उन्होंने भारत के आयुष्मान न्यास एवं वर्ल्ड आयुष संस्थानों कार्यालयों का आयोजन भारत रहा है और लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक कराया है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से यह संकल्प लेने को कहा कि वे आयुष के संदेश को लोगों तक पहुंचाएं। आयुष संवर्द्धन के लिए डॉ विनित कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों के लिए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने महामहिम अजित के राज्यपाल का भाव करते हुए कहा कि इस सबको महामहिम अजित के नाम पर चलना चाहिए। डॉ. विनित कुमार जी ने इस विरेचन वर्ष को अंतर्राष्ट्रीय महत्व का वर्ष बनाया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता है। जागरूकता सही अवसर अपनाने की। उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा कि विरेचन में चमत्कार प्रोटीन होता है। इसे पेड़ करने में कम पानी और कम मेहनत लगता है। इसे कम पानी पाने वाले इलाकों में उगाया जा सकता है। डॉ विनित कुमार ने विरेचन उत्पादन के दो लाभ - एक स्वास्थ्य लाभ और दूसरा आर्थिक लाभ। उन्होंने कहा कि इससे भारत को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। डॉ विनित कुमार जी ने कहा कि हम इस वर्ष विरेचन वर्ष के साथ साथ सहारी अजित को 150 से ज्यादे भी बन रहे हैं। सहारी अजित ने न केवल स्वास्थ्यता की लड़ाई लड़ी, बल्कि उन्होंने समाज में भाग्यशाली दृष्टिकोण देने का प्रयास किया। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज आयुष की जरूरत क्यों है? उन्होंने कहा कि आयुष स्वास्थ्य लाभ के लिए बेहद उपयोगी है। यह स्वास्थ्य रहने का एकमात्र रास्ता है। डॉ विनित कुमार जी ने खासकर पर जोर देते हुए कहा कि यह मात्र जानकारी नहीं है, इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर उन्होंने मंच पर उपस्थित केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी का भी विरेचन की दिशा में उनके प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की। अपने स्वागत के क्रम में उन्होंने इस रोमांचकारी सम्मेलन की गरिमा बनाए रखने की और साधुवाद में उपस्थित विशिष्ट सहारी, संस्थानों, संगठनों से अपील हुए श्रोताओं का अभिनंदन किया और उनका स्वागत किया। बिहार प्रशासक के मंत्री प्रभुष श्री अजित ठाकुर जी ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन किया और चारों संस्कृत में उपस्थित श्रोताओं को रोककर आयुर्वेद ज्ञान करने हुए कहा कि दिल्ली में भीड़ जुटाना बड़ा मुश्किल है पर दीक्षा विनित कुमार के प्रेम एवं कार्यकुशलता से यह संभव हुआ है। इसके लिए उन्होंने दीक्षा विनित कुमार को विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने बिहार एवं झारखंड में विरेचन उत्पादन की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। श्री अजित ठाकुर ने कहा कि दोनों के सुधार के दोनों को भारत सरकार ने दोनों के उत्पादन के लिए पुरस्कार दिया। दोनों के अवसरों दोनों का अभूतपूर्व उत्पादन हुआ है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अतिरिक्तों ने अपने छोटे छोटे खेतों में इसका भरपूर उत्पादन कर रहे हैं। श्री अजित ठाकुर जी ने कहा कि झारखंड की विषय परिस्थितियों में वहाँ का किसान विरेचन उत्पादन में पूरी योगदान दे रहा है। आयोग चेयरी के राष्ट्रीय संचालक श्री आलोक चामरिया जी ने अपने सम्बोधन की शुरुआत भारत और वेस्टिंडीज के बीच से की, जिसमें उन्होंने कहा कि अपने योगदान को दान करकर न कि दाकर्मों को अपना योगदान। उन्होंने कहा कि आपका योगदान ही आपकी औषधि बनानी चाहिए। श्री आलोक चामरिया जी ने कहा जो लक्षित जहाँ जन्म लेता है उसको वहीं की औषधि दिलवाती होती है। उन्होंने स्वास्थ्य योगदान को आपके पास बताया। उन्होंने कहा कि जो लक्षित हैं जहाँ जिस भौगोलिक परिस्थिति में रहता है, उसे उसी भौगोलिक परिस्थितियों में उत्पन्न योगदान आपका चाहिए। उन्होंने विदेशों में चल रहे 'रेजकल-योगदान पुनः अभियान' का भी जिक्र किया। उन्होंने भारतीयों में बढ़ते रोगों का एक बड़ा कारण विषम परिस्थितियों में उत्पन्न योगदान को माना। उन्होंने कहा कि हम अपना योगदान छोड़कर विदेशी योगदान अपना रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य जीवनशैली अपनाने पर भी जोर दिया। श्री आलोक चामरिया जी ने कहा कि भारत को औषधि गुरुत्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना ने सिखाया कि औषधियों पर निर्भरता बेकार है। कोरोना काल में हम प्राकृतिक वेंटीलेशन की ओर जाया गया। उन्होंने कहा कि भारत योगदान विरेचन का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला देश है। श्री चामरिया जी ने कहा कि सामान्य गुण भी एक वेंटीलेशन है। उन्होंने कहा कि विरेचन का प्रयोग संतुलित होना चाहिए, अधिकता उसकी ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि विरेचन में विष, पोटेशियम की मात्रा भरपूर होती है लेकिन उसे आयुर्वेद के अनुसार ही उपयोग किया जाना चाहिए। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी ने अपने सम्बोधन की शुरुआत भारत माता के जयकारों से किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि कल आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हम चौथे विश्व में सम्मान रहे। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने सम्मेलन संयोजक श्री विनित कुमार जी का भी विशेष धन्यवाद किया और कहा कि आज सबसे खुशी है विदेशी बाजार। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सारी आज का बाजार है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि ये राजस्थान के बाड़मेर (जैसलमेर सीमा) का मरीज हूँ जहाँ हमने चमत्कार से आज तक बाजों की रोटी खाई है। उन्होंने कहा मेरा पूरा जीवन बाजों पर ही गुजरा है। और जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस वर्ष को विरेचन वर्ष घोषित किया तो सबसे ज्यादा खुशी उन्हें ही हुई। उन्होंने विरेचन को लेकर चली आ रही इस गलत धारणा का भी जिक्र किया जिसमें कहा जाता था कि भारत में विरेचन गरीबों का भोजन है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री की सराहना की कि उन्होंने गरीबों के अपना को पाने वर्ष का भोजन बना दिया और आज विरेचन गरीबों का नहीं, हर तबके का भोजन। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भी आज गन्ना विरेचन को जो सम्मान दिया है, उसके लिए वे सब उनके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य सबसे पहले स्वयं पर लागू करने की रोक जाना चाहिए। उन्होंने नेतृत्वियों , योग तथा सही खानपान को अपनाने पर जोर दिया। मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी ने कहा कि आज से 50-60 साल पहले लोग रोगोपैथिक वेंटीलेशन नहीं लेते थे। सब कुछ आयुवान उनके-पेड़ हुई चीजों से ठीक हो जाता था। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी जी के सम्बोधन के बाद कई सम्मानित लोगों को 'आयुषकॉन 2023 एक्सलेन्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख हैं-श्री देवनाथ,चौधरी अजीमिक सिंह,डॉ विनोद कुमार यादव,डॉ विजयकुमार राय चौधरी,डॉ. उमेश शर्मा,डॉ. पी के सिंह,डॉ. रवि पीडू,डॉ.खादर वली,चौधरी पूरन गुलाब,डॉ. नीरज कुमार,श्री.अनुपम यादव,श्री राम भूषण जैन,श्री दयानंद पोलन,श्री सिद्धार्थ राय कुमार,,चौधरी सतीश राणे,श्री दिनेश सेवन और डॉ. सत्यमेवु सांकृत। मंच पर उपस्थित श्री दीपक ठाकुर जी ने अपने निजी अनुभवों के आधार पर बताया कि किस प्रकार अवसाद रोगों से रोग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वयं पर नियंत्रण रखकर निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राजनीति उपचार के सम्मेलन से उन्होंने अपने स्वास्थ्य को सहज बनाए रखने में सहायता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गेहूं का आटा कई रोगों की जड़ है। उन्होंने कहा कि जीवन में 'सामंजस्य' का प्रयोग करना चाहिए। अवसर सहज अवसर विकसित आदि का प्रयोग किया जाना चाहिए, इससे सुगम निर्णय सहजे। उद्घाटन सत्र का अंतिम सम्मान हरियाणा के राज्यपाल महामहिम श्री बंडारू दत्तात्रेय जी का था। उन्होंने इस सम्मान आयोजन के लिए संयोजक डॉ विनित कुमार जी को प्रशंसा की और योग एवं आयुष को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सम्मान में उपस्थित सभी लोगों को रोज टहलना चाहिए, विशेषतः महिलाओं को। उन्होंने लड़कियों को सहायता और निडर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने एक प्रसिद्ध कहावत से अपनी बात को आगे बढ़ाया- "धन जाए तो कुछ नहीं जाता, स्वास्थ्य चला जाने से थोड़ा जाता है परंतु चरित्र चला जाए तो सम्पूर्ण चला जाता है।" इस बात को उन्होंने उपस्थित श्रोताओं से गांठ बांध लेने के लिए कहा। उन्होंने इस अवसर पर सहारी अजित के 150 से ज्यादे पर इन्हें चार करते हुए उनकी उपलब्धियों को श्रोताओं के सामने रखा। उन्होंने आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूरे देश के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों प्रतिनिधियों ने चार दिवसीयआयोजन की शुरुआत में आयिन्दो अवसर के बच्चों द्वारा भजन- संगीत गायन से किया गया,जिसका देख भर से आए हुए प्रतिनिधियों ने जमकर आनंद लिया। योगदान के उपरांत डॉ. उमेश शर्मा जी, डॉ. विनोद कुमार यादव जी, डॉ. अमृता गहा जी, डॉ. विनोद सागवान, डॉ. प्रमुख चटर्जी, डॉ.विजयकुमार राय चौधरी, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. रोहेंद्र त्रिपुन जी, भारतीय योग संस्थान के डॉ. रोहताश जी, डॉ अनीमिका त्रिवेदा जी, डॉ. अखिलेश शर्मा जी और गायत्री डॉ. खादर वली जी ने आयुष एवं योग के आधुनिक महत्व पर प्रकाश डाला। प्रसिद्ध मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ विजयकुमार राय चौधरी ने आयुर्वेद के सम्बन्धित महत्व को रेखांकित किया। डॉ विजयकुमार राय चौधरी ने अपने अनुभव में बेसन के प्रति उपस्थित श्रोताओं को आगाह किया और बताया कि बेसन सेलम सबसे सरीर में पहले से ही विद्यमान है, भारत जीवन शैली की वजह से ये सेलम सरीर को रोगी बना देते हैं। भारतीय योग संस्थान के श्री रोहताश ने उपस्थित श्रोताओं को योग का महत्व बताते हुए प्राणायाम के बारे में भी बताया। आयोजनकर्ता की वरिष्ठ चैकित्सक डॉ नीरज कुमार ने आयुर्वेद उपचार के साथ साथ नियमित खानपान के प्रति सजग रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज आज हमें सनातन जीवन शैली अपनानी है तो अनुशासित भोजन अपनाना चाहिए। इनके अनुसार विरेचन को अपना कर हम अपना और अपने समाज का स्वास्थ्य बेहतर रख सकते हैं। दूसरे दिन अगस्त 25 अगस्त, 2023 के कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः अवसर वर्ग की एक कार्यशाला से हुई। सुबह के इस सत्र में राष्ट्रीय आयुष सम्मेलन के संयोजक डॉ. विनित कुमार के साथ डॉ. गुंजन सक्सेना जी, डॉ पारमजीत कौर जी और डॉ. राजकुमार चौधरी जी ने अपने विचार से रखे। डॉ. विनित कुमार ने कहा कि सही रोगों की जड़ आधुनिक जीवन शैली है। उन्होंने कहा चौपाई में लोग सलिमक भोजन की अपेक्षा आहारेतर एवं मनमर्जी खान नहीं छोड़ते, यही चौपाई की जड़ है। राजस्थान सरकार की राजकीय जोधपुर जी ने योग को विज्ञान की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि महर्षि पतंजलि के कहना लोग आज योग की तरफ आकर्षित हुए हैं। उन्होंने छात्रों के बीच बढ़ रहे तनाव के प्रति चिंता प्रकट की और कहा कि योग से इसकी समस्या से लड़ा जा सकता है। डॉ गुंजा सक्सेना, डॉ. पारमजीत कौर जी ने और डॉ. राजकुमार चौधरी जी ने भारत एवं विश्व में बढ़ते आयुर्वेद के महत्व पर अपने विचार रखे। और इंडियन इंस्टीट्यूट के डॉ राजकुमार चौधरी ने विरेचन के महत्व पर बात की। उन्होंने जीवन शैली में विरेचन को सम्मिलित करने की पक्षधरता की। भाग के बाद के सत्र में और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के डॉ एस. सी. परमवंश ने आयुर्वेद के समकालीन महत्व को रेखांकित किया। इसी सत्र में आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु शर्मा ने रोगों को दूर करने हेतु आयुर्वेद पद्धति को अपनाने की पक्षधरता की। उनका कहना था कि सांसारिकों की जरूरत तब पड़ती है, जब हम आयुर्वेद के अनुसरण का पालन करना छोड़ देते हैं। रोगों के भोजन के बाद के सत्र में निर्माता विशेषज्ञों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि आजकल बच्चे भी आधुनिक जीवन शैली से प्रभावित हैं। बच्चों के माता-पिता को जीवन शैली बच्चों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। उन्होंने चौपाल में बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। डॉ दीपाली पैन लैब के संस्थापक डॉ दीप सैन ने विभिन्न टेस्ट की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि इनमें से आधे से ज्यादा लोग भारत खानपान के शिकार हैं। बढ़ते स्वास्थ्य और कोलेस्ट्रोल की वजह से लोग सुगर और कम उम्र के शिकार हैं। पंचकर्म,चिकित्सापरक सब इसी बातों से पैदा हो रहे हैं। इस सत्र में डॉ. संजय सक्सेना जी और डॉ सुमन ने अपने विचार प्रस्तुत किये। समापन सत्र में स्वामी सर्वेश्वरानंद जी महाराज ने आयुर्वेद एवं अध्यात्म के आपसी एवं जीवन शैली को आज की बड़ी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आज कार्पोरेट,ब्राण्डेड,राजनेता एवं चिकित्सकों को बहुत ही सावधान व सफलता से समाज में समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान आधुनिक जीवन शैली में अनुसरण के समान है। समापन सत्र में डॉ. रवीन्द्र नाथ ओलंपिकेटआयुर्वेदाचार्य के निदेशक डॉ रमाकांत राय और रेखा के डॉ.पीके सिंह जी ने कहा कि आज पूरी दुनिया ने योग के विश्वगुरु के रूप में हमें स्वीकार किया है। कॉन्फ्रेंस के अंत में आयुष्मान न्यास के अध्यक्ष एवं कॉन्फ्रेंस के आयोजक डॉ.विनित कुमार ने सभी विशिष्ट अतिथियों एवं उपस्थित श्रोताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में होने वाले इसी प्रकार के कार्यक्रम में पुनः आयोजन का आश्वासन दिया।